

प्रेषक,

आर०डी०पालीवाल,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

महानिबन्धक,
मा० उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय,
नैनीताल ।

न्याय अनुभाग - 2

देहरादून : दिनांक : 22-फरवरी, 2008

विषय:- मा० उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय के मा० मुख्य न्यायाधीश के आवास के साज-सज्जा की स्वीकृति ।
महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-586/कैश/यूएचसी/2008, दिनांक 22.2.2008 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें ।

2. इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि उच्च न्यायालय न्यायाधीश नियमावली, 1956 में उल्लिखित व्यवस्थानुसार मा० उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय के नये मा० मुख्य न्यायाधीश के आवास के साज-सज्जा हेतु शासनादेश संख्या 8-दो(2)/XXXVI(1)(2)/2007-1-दो(2)/07, दिनांक 31.7.2007 द्वारा मा० उच्च न्यायालय के उपशीर्षक के अधीन मानक मद संख्या-08-कार्यालय व्यय में स्वीकृत धनराशि से व्यय किये जाने की महामहिम राज्यपाल निम्न शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (1) मानक के अनुसार निष्प्रयोज्य घोषित होने वाली साज-सज्जा को ही केवल प्रतिस्थापित किया जाय । जो साज-सज्जा ठीक है और निष्प्रयोज्य करने योग्य नहीं है उसका प्रयोग किया जाय ताकि अनावश्यक शासकीय धनराशि का अपव्यय न हो ।
- (2) यदि राज्य सम्पत्ति विभाग द्वारा मा० मुख्य न्यायाधीश को पूर्ण रूप से फर्निशु आवास उपलब्ध कराया गया हो, तो उपलब्ध कराये गये फर्निशिंग की प्रतिपूर्ति सम्बन्धित विभाग को करा दी जाय ।
- (3) व्यय से पूर्व बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, स्टार एर्जेज रूल्स, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों एवं तद्विषयक अन्य आदेशों का अनुपालन किया जाय ।
- (4) सामग्रों का क्रय डी०जो०एस० एण्ड डी की दर अथवा टेण्डर/कुटेशन विषयक नियमों का अनुपालन करते हुए किया जाय तथा व्यय मानक के अनुसार ही किया जाय । क्रय की जाने वाली सामग्रों का मदवार विवरण धनराशि सहित कार्य समाप्ति के एक माह के अन्दर शासन को उपलब्ध कराया जाय ।

भवदीय,

(आर०डी०पालीवाल)
सचिव ।

संख्या : 39-दो(2)/XXXVI(1)/2007-08-1-दो(2)/07-तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून ।
- 2- चरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
- 3- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
- 4- एन०आई०सौ०/सम्बन्धित सहायक/गार्ड बुक ।

आज्ञा से,

(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव ।